गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक:338
दि. 11.04.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बंगाल में भाजपा का वादा, महिलाओं को 3 हजार महीना:

6 महीने में यूसीसी लागू होगा; ममता बोलीं:सांप पर भरोसा करना, भाजपा पर नहीं

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम ,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में घुसपैठ लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्र जारी करते हुए कहा बंगाल की जनता के लिए पिछले 15 साल बुरे सपने के जैसे रहे हैं। ममता घुसपैठियों के जरिए तीसरी बार सीएम बनीं हैं। हम घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करेंगे। राज्य में दो फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। रिजल्ट 4 मई को आएगा।

इधर, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने यहां कहा- सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन

BJP पर नहीं। भाजपा असम चुनाव के लिए बाहर से लोगों को लेकर आई, उसे राज्य के निवासियों के वोटों से जीत का भरोसा नहीं था।

शाह बोले- महिलाओं को हर महीने 3 हजार रुपए देंगे: शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सभी सरकारी कर्मचारी को डीए सुनिश्चित किया जाएगा। 7वें वेतनमान को लागू किया जाएगा।

राज्य में लोअर मिडिल क्लास और गरीब में महिलाओं की हालत दयनीय है। जब तक यह सुधार नहीं होता हमारी सरकार हर महीने 1 से 5 तारीख तक हर महिला के खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी।

हम बंगाल के सपने को साकार करेंगे: शाह ने कहा कि गुरुदेव की जन्म जयंती के आसपास ही भय के कोहरे से बाहर आकर भरोसे का शासन स्थापित करेगी।15 साल का बुरा सपना एक तरह से हर प्रकार के संकट का परिचायक रहा। हमारा संकल्पपत्र बंगाल के विकास का रास्ता खोलेगा।

यह बंगाल की खोई हुई अस्मिता हासिल करने का अभियान:

शाह ने कहा कि दस साल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसका उदाहरण स्थापित करने का काम किया है। देश के सामने की सभी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले पूरे देश में हर तबके हर वर्ग जाति सभी की आकांक्षाओं को संजोकर नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के सामने रखा है। उस सपने को साकार करने के लिए दिन रात प्रयास किया है।

कुछ समय पहले हमने हमारी चार्जशीट बंगाल के सामनेरखी थी। वह परिचायक थी कि 15 साल के ममता के शासन में जो घोर निराशा बंगाल की जनता में मौजूद थी।

यह शपथ पत्र परिचायक है 15 अप्रैल से 9 मई तक जो चुनावी अभियान चलने वाला है, उस रोड मैप का। यह 24 दिन का अंतराल बंगाल की जनता के सपनों को संजोने का अनुष्ठान है।

बंगाल की खोई हुई अस्मिता को फिर से हासिल करने का अभियान है। पूरे देश की सुरक्षा की ढाल बंगाल बने इसका अनुष्ठान है। बंगाली नए साल के दिन हमारी यात्रा शुरू होगी।

AIMIM ने कबीर की पार्टी से गठबंधन तोड़ा

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (AIMIM) ने हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) से गठबंधन तोड़ लिया है। दोनों पार्टियों ने 25 मार्च को पश्चिम बंगाल चुनाव साथ लड़ने की घोषणा की थी। अब AIMIM चुनाव में अकेले उतरेगी।

AIMIM के X हैंडल पर लिखा गया- हुमायूं कबीर के हालिया खुलासों ने यह दिखा दिया है कि बंगाल के मुसलमान कितने असुरक्षित हैं। AIMIM ऐसे किसी भी बयान से खुद को नहीं जोड़ सकती, जिसमें मुसलमानों की निष्ठा या ईमानदारी पर सवाल उठाए जाएं।

राज्यसभा सांसद बने सीएम नीतीश मांझी बोले: बिहार विल मिस यू

आरजेडी ने कहा- राज्य में उनकी सेवा समाप्त होती है

पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज शुक्रवार को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान बिहार एनडीए नेताओं के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे।संजय झा ने सिग्नेचर करने के लिए उन्हें पेन दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हो गया.. चलें...। जिसपर फोटो सेशन के लिए रूकने को कहा गया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चारों सदन का सदस्य बनने का रिकॉर्ड बनाया है। वो पहली बार राज्यसभा पहुंचे हैं, जबकि इसके पहले लोकसभा, बिहार विधान परिषद और विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं।इससे पहले सुबह दिल्ली में उनसे मिलने बिहार के बड़े नेता पहुंचे। JDU के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर ने सुबह मुलाकात की। फिर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी और मदन सहनी ने मुलाकात की।

हरिवंश नारायण सिंह राज्यसभा के लिए नामित

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा का नामित सदस्य नियुक्त किया हैद्य शुक्रवार को जारी गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार एक सदस्य की सेवानिवृत्ति के बाद खाली हुई सीट पर राष्ट्रपति ने उन्हें मनोनीत किया है।

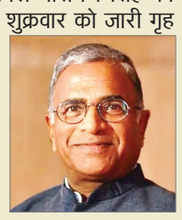

यह रिक्ति भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की सेवानिवृत्त के बाद हुई थी। उल्लेखनीय है कि हरिवंश जाने-माने पत्रकार रहे हैं। वे लंबे तक हिंदी अखबार प्रभात खबर के प्रधान संपादक रहे और पत्रकारिता में उनकी अलग पहचान रही है। वे जनता दल यूनाइटेड के साथ जुड़े। उन्हें 2014 में बिहार से राज्यसभा सदस्य बनाया गया। हरिवंश नारायण सिंह 9 अगस्त 2018 को राज्यसभा के उपसभापति बनाए गए। इसके बाद फिर 14 सितंबर 2020 को राज्यसभा के उपसभापति निर्वाचित हुए थे। संसद में उनकी भूमिका संतुलित और शांत तरीके से काम करने वाली मानी जाती है।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

प्रयागराज ,एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इससे पहले, 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित घर में लगी आग में 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इस विवाद के बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी। हालांकि उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती, उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था।

कैश कांड के बाद जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी, जो उनके अनुसार गलत है।

फिर 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया।

छत्तीसगढ़ में 2 कारें भिड़ीं कॉन्स्टेबल का परिवार खत्म,6 मौतें

पत्नी, दामाद, बहन और भांजे समेत 6 की जान गई, शादी से लौट रहे थे

कांकेर,एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भीषण सड़क हादसे में कॉन्स्टेबल मुनेंद्र नेताम के परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा नेशनल हाईवे-30 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने टक्कर से हुआ।

जानकारी के मुताबिक, उड़कुडा निवासी नेताम परिवार गुरुवार रात करीब 11 बजे चीवरांज में शादी से लौट रहा था। नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में मुनेंद्र नेताम की पत्नी कुंती नेताम, दामाद शगुनदास नेताम, बहन मकतुला नेताम और 7 साल का भांजा वंश नेताम के साथ दो रिश्तेदार भी शामिल हैं। हादसे में दोनों वाहनों के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के

बाद सभी को रायपुर रेफर किया गया है। टक्कर में दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।दूसरी कार में सवार दो युवक घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी कार तेज रफ्तार में थी और ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर से टकरा गई।

रिपोर्ट- ईरान ने अमेरिका से बातचीत से इनकार किया :

कहा: लेबनान में सीजफायर लागू होने तक कोई डील नहीं; कल पाकिस्तान में बातचीत होनी है

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान ने पाकिस्तान में होने वाली सीजफायर डील में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं हो जाता वह बातचीत नहीं करेगा।इससे पहले अमेरिकी वेबसाइट वॉल स्ट्रीट जनरल ने खबर दी थी कि ईरानी डेलिगेशन गुरुवार शाम पाकिस्तान पहुंच गया है। इसमें संसद अध्यक्ष गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची शामिल हैं। हालांकि फार्स न्यूज ने इसे फेक बताया।इससे पहले 7 अप्रैल को अमेरिका और ईरान 2 सप्ताह के सीजफायर पर सहमत हुए थे। यह भी तय हुआ था कि दोनों देशों के नेता पाकिस्तान में मीटिंग के लिए मिलेंगे। बातचीत शनिवार को इस्लामाबाद में होनी है।

ईरान ने लेबनान में सीजफायर होने तक बातचीत से इनकार किया

ईरान पाकिस्तान में होने वाली सीजफायर बातचीत में शामिल नहीं होगा। ईरानी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं हो जाता वह बातचीत नहीं करेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद नहीं पहुंचा है और उसका वहां जाने का कोई प्लान भी नहीं है। एजेंसी ने उन खबरों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि ईरानी टीम बातचीत के लिए पहुंच चुकी है।अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इससे पहले खबर दी थी कि बातचीत शुरू करने के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है।ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि किसी भी शांति वार्ता के लिए जरूरी है कि अमेरिका सभी मोर्चों

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा निकली नाबालिग, एनसीएसटी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

पति फरमान खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले की पारधी जनजाति से जुड़ी युवती मोनालिसा के मामले में नया मोड़ सामने आया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की जांच में युवती को नाबालिग बताया गया है।

दावा किया गया है कि केरल में संपन्न विवाह के समय उसकी उम्र 18 वर्ष से कम थी। मामले के अनुसार, अधिवक्ता प्रथम दुबे ने 17 मार्च 2026 को आयोग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की थी। इसके बाद आयोग के निर्देश पर गठित जांच दल ने केरल से लेकर महेश्वर तक दस्तावेजों और तथ्यों की पड़ताल की। एनसीएसटी ने गुरुवार को खुलासा करते हुए जानकारी दी कि आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य के नेतृत्व में एनसीएसटी के पूर्व न्यायाधीश व सलाहकार प्रकाश उइके के मार्गदर्शन में अधिवक्ता प्रथम दुबे द्वारा की गई कानूनी पैरवी ने यह साबित कर दिया है कि जिस युवती को बालिग बताकर विवाह कराया गया था, वह वास्तव में पारधी जनजाति समुदाय की एक नाबालिग लड़की है।जांच के दौरान महेश्वर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रिकॉर्ड में युवती की जन्म तिथि 30 दिसंबर 2009 पाई गई। इसके आधार पर 11 मार्च 2026 को हुए विवाह के समय उसकी उम्र करीब 16 वर्ष बताई गई है। जांच में यह भी सामने आया कि केरल में विवाह पंजीयन के लिए उपयोग किए गए जन्म प्रमाण पत्र में अलग जन्म तिथि दर्ज थी। जांच टीम ने इसे संदिग्ध बताते हुए संबंधित दस्तावेजों के आधार पर निरस्त कराने के निर्देश दिए जाने की बात कही है।

यूपी एसआईआर फाइनल लिस्ट में 2.04 करोड़ नाम कटे :बृजेश पाठक की सीट पर 34प्रतिशत नाम कटे

लखनऊ,एजेंसी। यूपी में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की फाइनल लिस्ट शुक्रवार को जारी कर दी। यूपी में वोटर्स की संख्या 13% घटकर 13.39 करोड़ हो गई है। फाइनल लिस्ट से 2.04 करोड़ नाम कटे हैं। 84 लाख नए नामों को जोड़ा गया है।

SIR से पहले अक्टूबर 2025 में यूपी में कुल 15.44 करोड़ वोटर्स थे। पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद यह आंकड़ा 12.55 करोड़ हो गया था। इसमें 2.89 करोड़ लोगों के नाम कटे थे। पहले ड्राफ्ट लिस्ट से जो नाम कटे थे, उसमें 84 लाख नामों को लिस्ट में जोड़ा गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- लखनऊ में सबसे ज्यादा 9.14 लाख मतदाता कम हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की कैंट विधानसभा सीट पर 34.18% वोटर कम हो गए हैं। प्रयागराज 8.26 लाख, कानपुर नगर में 6.87 लाख, आगरा में 6.37 लाख और गाजियाबाद में 5.74 लाख मतदाता कम हुए हैं।

अनंत अंबानी का 31वां जन्मदिन-जामनगर के सभी गांवों को भोज

1 लाख गायों को छप्पन भोग कराया

शाहरुख-रणवीर समेत कई सेलेब्रिटी शामिल

जामनगर,एजेंसी। कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी आज अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर गुजरात के जामनगर में भव्य सेलिब्रेशन हो रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए बॉलीवुड समेत उद्योग जगत की कई हस्तियां जामनगर पहुंच चुकी हैं।

अनंत ने गुरुवार को जामनगर में गो सेवा की। एक लाख से ज्यादा गायों को छप्पन भोग लगाया। जामनगर में आसपास के सभी गांवों भोज का आयोजन किया गया था। भोज में आईं सभी महिलाओं को साड़ियां गिफ्ट में दी गईं। इसके अलावा जामनगर के गांवों में बच्चों को स्कूल की किट भी बांटी गई। इसके अलावा अनंत अंबानी ने देश के कई बड़े मंदिरों को करोड़ों का दान दिया है।

'स्मार्टफोन पर 6 घंटे खर्च करना भी बीमारी'

योगी बोले:किडनी खराब तो चल जाएंगे, हार्ट ब्लॉक हुआ तो दूसरे लोक की यात्रा हो जाएगी

लखनऊ,एजेंसी। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अस्पतालों की OPD पर अत्यधिक दबाव है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में रोजाना 12,000 से 14,000 मरीज OPD में आते हैं, जबकि पीजीआई में यह संख्या 10,000 से 11,000 के बीच है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के एक साथ अस्पताल आने पर डॉक्टरों के लिए इलाज करना कितना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीएम ने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन भी कई बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। 4 से 6 घंटे तक स्मार्टफोन का उपयोग करना भी एक तरह की बीमारी है। उन्होंने कहा कि हृदय शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। किडनी खराब होने पर व्यक्ति डायलिसिस के सहारे जीवन जी सकता है, लेकिन यदि हृदय में ब्लॉकेज हो जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री, शुक्रवार को अटल

बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है।

शादियों में खाने की क्वालिटी की कोई गारंटी नहीं: सीएम योगी ने कहा- मैंने इस दिवाली से ठीक पहले खाद्य पदार्थ पर मिलावट के खिलाफ छापेमारी करने के निर्देश दिए थे। सुबह 4 से 6 बजे के करीब सुबह छापेमारी हुई तो हजारों किलो मिलावटी खोवा नष्ट किया गया। शादी और ब्याह के फंक्शन में जब जाते होंगे तो क्या गारंटी की कैसा खाना मिल रहा है।

समय से जागने की आदत डालें। देर रात तक स्मार्टफोन का उपयोग बंद कर दें। गरीब को हार्ट की बीमारी कम होती है क्योंकि वह मेहनत खूब करता है। अब ऐसी बीमारी से इलाज की दिशा में भी हम अहम कदम उठा सकते हैं।

संपादकीय

घातक किशोर अपराधःआक्रामकता पर अंकुश लगाने की पहल हो

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं।

दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। यह गंभीर मुद्दा है जिसके समाधान को केंद्र सरकार को अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। दरअसल, इंटरनेट के तेजी से प्रसार और सोशल मीडिया में अपराधों से जुड़ी घातक सामग्री की उपलब्धता किशोरों में भटकाव को बढ़ावा दे रही है। हिंसक फिल्में और अन्य माध्यमों में अपराध के तौर-तरीके से जुड़ी सामग्री किशोर मन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। देश में संयुक्त परिवारों के बिखराव व बच्चों पर मां-बाप का नियंत्रण कम होने से कई किशोर बुरी संगति के चलते अपराधजगत की फिसलन में उतर जाते हैं। दूसरी ओर स्कूल-कालेजों में शिक्षकों की वह भूमिका नहीं रही, जो सख्ती से किशोरों के व्यवहार को नियंत्रित कर सके। आज उनकी सोच को मोबाइल व सोशल मीडिया पर प्रसारित विकृत सूचनाएं प्रभावित कर रही हैं। समाज के व्यवहार में एक किस्म की आक्रामकता नजर आती है। वहीं दूसरी ओर आपराधिक गिरोह व गैंग भी अपने आपराधिक कृत्यों को अंजाम देने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल यह भी है कि किशोरों तक घातक हथियार कहां से और कैसे पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, नशे की दलदल में फंसने वाले किशोर भी कालांतर नशा खरीदने के लिये पैसे जुटाने के लिये अपराध की गली में उतर जाते हैं।

भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ़ एक निर्णायक कालखंड में कदम रखना ज़रूरी हो गया है

वैश्विक स्तरपर आज भारत के नाम प्रतिष्ठा होल्ड और वर्चस्वता का आधार बढ़ता ही जा रहा है, जिसके दम पर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक मुख्य पक्ष माना जाता है जो हम बड़े–बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष के भारत के साथ बॉडी लैंग्वेज से समझ मेंआता है और हम प्रोत्साहित होकर विज़न 2047, विजन नए भारत, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं परंतु जिस तरह हमने हाल के कुछ दिनों में बंगाल के मंत्री, जबलपुर के आरटीओ, एमपी के चपरासी के यहां करोड़ों रुपए, एमपी में पोषण घोटाला सहित अनेकों भ्रष्टाचार के तथाकथित मामले मीडिया के माध्यम से हमने पढ़े और देखें और ऐसे अनेक मामलों की रिसर्च करेंगे तो हमें पता चलेगा कि इस तरह के भ्रष्टाचार जारी रहे तो हम उपरोक्त विज़नस को पूर्ण नहीं कर पाएंगे? इसलिए अब जरूरी हो गया है कि भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कालखंड में कदम रखना अनिवार्य है।

किशन सनमुखदास भावनानी

अब सीबीआई, ईडी तथा जनमानस के सहयोग के साथ अन्य एजेंसियों को आय से अधिक संपत्ति रखने वालों का तेजी से पता लगाना होगा। सेवा क्षेत्र के हर चपरासी से लेकर बाबू और बड़े अधिकारियों तक की आर्थिक स्थिति की जांच तेजी से करनी होगी क्योंकि सरकारी क्षेत्र के लोगों के पास ही भ्रष्टाचार का कुबेर खजाना होगा तो अन्य निजी लोगों की बात ही क्या? हालांकि लाल किले से माननीय पीएम ने भी भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी थी और अब मिशन 2027 को अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है, इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार की करें तो, हमारे देश के लिए यह बड़ी ही दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना है कि युधिष्टिर, हरिश्चंद्र जैसे धर्मनिष्ठ शासकों व साधु-संतों की इस पावन धरती पर आज भ्रष्टाचार का विष फैला हुआ है। छोटे से छोटे कर्मचारियों से लेकर देश की सत्ता पर बैठे हमारे शीर्षस्थ भी आज भ्रष्टाचार में लिप्त होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता । भ्रष्टाचार हमारी राष्ट्रीय समस्या है । ऐसे व्यक्ति जो अपने कर्तव्यों की अवहेलना कर निजी स्वार्थ में लिप्त रहते हैं 'भ्रष्टाचारी' कहलाते हैं । आज हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरे तक समाहित हैं ।

साथियों मनुष्य कितना भी कुछ हासिल कर ले परंतु उसकी और अधिक प्राप्त कर लेने की लालसा कभी समाप्त नहीं होती है। किसी वस्तु की आकांक्षा रखने पर यदि उसे वह वस्तु सहज रूप से प्राप्त नहीं होती है तब वह येन-केन प्रकारेण उसे हासिल करने के लिए उद्यत हो जाता है। इस प्रकार की परिस्थितियाँ भ्रष्टाचार को जन्म देती हैं। किसी उच्च पद पर आसीन अधिकारी प्रायः गुणवत्ता की अनदेखी कर अपने समाज, परिवार अथवा संप्रदाय के लोगों को प्राथमिकता देता है तो उसका यह कृत्य भ्रष्टाचार का ही रूप है। भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति सदैव न्याय की अनदेखी करता है।

साथियों बात अगर आम भ्रष्टाचार की चुनौतियां और प्रारूप की करें तो, देश के सामने दो बड़ी चुनौतियां-पहली चुनौती - भ्रष्टाचार दूसरी चुनौती भाई- भतीजावाद परिवारवाद।भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है, उससे देश को लड़ना ही होगा। देश की कोशिश है कि जिन्होंने देश को लूटा है, उनको लौटाना भी पड़े देश इसकी कोशिश कर रहे हैं। देश में चारों ओर व्याप्त सांप्रदायिकता, भाषावाद, भाई- भतीजावाद, जातीयता आदि से पूरित वातावरण भ्रष्टाचार के प्रेरणा स्त्रोत हैं । भ्रष्टाचार के कारण ही कार्यालयों, दफ्तरों व अन्य कार्यक्षेत्रों में चोरबाजारी, रिश्वतखोरी आदि अनैतिक कृत्य पनपते हैं। दुकानों में मिलावटी सामान बेचना, धर्म का सहारा लेकर लोगों को पथभ्रमित करना तथा अपना स्वार्थ सिद्ध करना, दोषी व अपराधी तत्वों को रिश्वत लेकर मुक्त कर देना अथवा रिश्वत के आधार पर विभागों में भरती होना आदि सभी भ्रष्टाचार के प्रारुप हैं।

साथियों बात अगर हम कुछ दिनों पूर्व महालेखाकार रिपोर्ट में खुलासा हुए एक घोटाले और आरटीओ के यहां रेड की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार 2018 से 2021 के बीच करीब 1.35 करोड़ महिलाओं को 2393 करोड़ का 4.05 मीट्रिक टेक होम राशन वितरित किया गया है।ऑडिट रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि टेक होम राशन बड़ी मात्रा में सिर्फ कागजों में बांट दिया गया। साथ ही करीब 58 करोड़ का नकली पोषण आहार का उत्पादन किया गया।रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि राशन बनाने वाली 6 फर्मों से परिवहन के नाम बाइक, कार, ऑटो और टैंकर के नंबरों को ट्रक बताकर करीब 6.94 करोड़ का 1125.64 मीट्रिक टन राशन के परिवहन होना बताया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में उत्पादन और वितरण में घोटाला होना बताया जा रहा है।जबलपुर में ईओडब्लयू यानी इकॉनमिक ऑफेंस विंग ने एक आरटीओ अधिकारी के घर छापा मार आय से अधिक संपत्ति का खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि आरटीओ अधिकारी की संपत्ति उनकी आय से 650 गुना ज्यादा है। छापामारी में उनके 6 आलीशान मकानों का पता चला है। उनके पास एक डेढ़ एकड़ में फैला फार्म हाउस भी है। ईओडब्लयू की रेड के दौरान उनके घर से 16 लाख रुपये कैश मिलने की भी बात सामने आई थी। साथियों बात अगर हम भारत के महाशक्ति बनने के आंकलन की करें तो, भारत के महाशक्ति बनने की सम्भावना का आंकलन अमरीका एवं चीन की तुलना से किया जा सकता है। महाशक्ति बनने की पहली कसौटी तकनीकी नेतृत्व है। दूसरी कसौटी श्रम के मूल्य की है। महाशक्ति बनने के लिये श्रम का मूल्य कम रहना चाहिये। तब ही देश उपभोक्ता वस्तुओंका सस्ता उत्पादन कर पाता है और दूसरे देशों में उसका उत्पाद प्रवेश पाता है। चीन और भारत इस कसौटी पर अव्वल बैठते हैं जबकि अमरीका पिछड़ रहा है। तीसरी कसौटी शासन के खुलेपन की है। वह देश आगे बढ़ता है जिसके नागरिक खुले वातावरण में उद्यम से जुड़े नये उपाय क्रियान्वित करने के लिए आजाद होते हैं। बेड़ियों में जकड़े हुये अथवा पुलिस की तीखी नजर के साये में शोध, व्यापार अथवा अध्ययन कम ही पनपते हैं। भारत और अमरीका में यह खुलापन उपलब्ध है। चौथी कसौटी भ्रष्टाचार की है। सरकार भ्रष्ट हो तो जनता की ऊर्जा भटक जाती है। देश की पूंजी का रिसाव हो जाता है। भ्रष्ट अधिकारी और नेता धन को स्विट्जरलैण्ड भेज देते हैं। ट्रान्सपेरेन्सी इंटरनेशनलद्वारा बनाई गयी रैंकिंग में अमरीका को 19 वें स्थान पर रखा गया है जबकि चीन को 79 वें तथा भारत को 84 वां स्थान दिया गया है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के समाधान की करें तो, भ्रष्टाचार के समाधान के लिए आवश्यक है कि भ्रष्टाचार संबंधी नियम और भी सख्त हों तथा भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले । इसके लिए सख्त और चुस्त प्रशासन अनिवार्य है । इस समस्या के निदान के लिए केवल सरकार ही उत्तरदायी नहीं है, इसके लिए सभी धार्मिक, सामाजिक व स्वयंसेवी संस्थाओं को एकजुट होना होगा । सभी को संयुक्त रूप से इसे प्रोत्साहन देने वाले तत्वों का विरोध करना होगा।

साथियों बात अगर हम 15 अगस्त 2022 को माननीय पीएम के लाल किले से भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार की करें तो उन्होंने कहा, कई लोग तो इतनी बेशर्मी तक चले जाते हैं कि कोर्ट में सजा हो चुकी हो, भ्रष्टाचारी सिद्ध हो चुका हो, जेल जाना तय हो चुका हो, जेल गुजार रहे हो, उसके बावजूद भी उनका महिमामंडन करने में लगे रहते हैं, उनकी शान-ओ-शौकत में लगे रहते हैं, उनकी प्रतिष्ठास बनाने में लगे रहते हैं। अगर जब तक समाज में गंदगी के प्रति नफरत नहीं होती है, स्वच्छता की चेतना जगती नहीं है। जब तक भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी के प्रति नफरत का भाव पैदा नहीं होता है, सामाजिक रूप से उसको नीचा देखने के लिए मजबूर नहीं करते, तब तक यह मानसिकता खत्म होने वाली नहीं है। और इसलिए भ्रष्टाचार के प्रति भी और भ्रष्टांचारियों के प्रति भी हमें बहुत जागरूक होने की जरूरत है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मिशन 2026 को भी अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है?। भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णय कालखंड में कदम रखना जरूरी हो गया है। भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी के प्रति नफरत सामाजिक बहिष्कार रंगे हाथ पकड़ने की मानसिकता के लिए हर नागरिक को जागरूक होना जरूरी है। (-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

आज का इतिहास

1999 - फिलीपींस की सरकार द्वारा 'एक स्कूल गोद लो' की अनोखी घोषणा।

2002 - चीन में मैच (फ़ुटबाल) फ़िक्सिंग के आरोप में रेफ़री गिरफ़्तार।

2003 - पाकिस्तान ने 12वीं बार शारजाह कप जीता।

2004 - इस्लामाबाद में भारत के प्रख्यात गायक कलाकार सोनू निगम के कार्यक्रम स्थल के पास एक कार में बम विस्फोट।

2008- सरकारी कर्मचारियों द्वारा विरोध को देखते हुए केन्द्र सरकार ने छठे वेतन आयोग की समीक्षा के लिए सचिवों की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की।

स्वीडन में वैज्ञानिकों ने आठ हज़ार वर्ष पुराने वृक्ष की खोज की।

11 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1827 - ज्योतिबा फुले- भारत के महान् विचारक, समाज सेवी तथा क्रान्तिकारी।

1869 - कस्तूरबा गाँधी - महात्मा गाँधी जी की पत्नी।

1887 - जामिनी रॉय - भारत के प्रसिद्ध चित्रकार।

1904 - कुन्दन लाल सहगल भारतीय गायक और अभिनेता

1916 - आर. डी. भण्डारे - भारतीय राजनीतिज्ञ, न्यायविद और अम्बेडकरवादी कार्यकर्ता थे।

1937 - रामानाथन कृष्णन - भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से है।

1938 - सोमदत्त बट्टू - हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक हैं जो पटियाला घराने से हैं। वह 'हिमाचल गौरव' के नागरिक सम्मान के विजेता हैं।

1946 - नवीन निश्चल - भारतीय फ़िल्म अभिनेता थे।

1983 - अनूप श्रीधर - भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

11 अप्रॅल को हुए निधन

1977 - फणीश्वरनाथ रेणु, साहित्यकार

2009 - हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, नाटककार और कहानीकार विष्णु प्रभाकर का निधन।

2010 - कैलाश चंद्र दाश, वैज्ञानिक और भुवनेश्वर के उत्कल विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर।

2001 - कमल रणदिवे - प्रसिद्ध भारतीय महिला चिकित्सक थीं।

युद्धविराम क़ा वैश्विक प्रभाव ऊर्जा,अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर असर होगा जो आम जनता के लिए राहत की बात

वैश्विक समुदाय के लिए यह एक चेतावनी है कि केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और समझ से ही स्थायी शांति संभव है वैश्विक स्तरपर 8 अप्रैल 2026 को पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया,जब डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई। यह घोषणा चेतावनी की समय सीमा समाप्त होने के 90 मिनटपूर्व उस समय आई जब सैन्य टकराव अपने चरम पर था और सभ्यता के अंत जैसी कठोर चेतावनियां दी जा चुकी थीं। यद्यपि इस कदम से वैश्विक स्तरपर राहत की सांस ली गई,परंतु युद्धविराम के कुछ ही घंटों बाद ईरान की ऑयल रिफाइनरी में धमाका और खाड़ी देशों यूएई व कुवैत पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि यह शांति स्थायी नहीं बल्कि अत्यंत नाजुक है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि इस पूरे घटनाक्रम को समझना आवश्यक है, क्योंकि यह केवल दो देशों के बीच संघर्ष नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, कूटनीतिक संतुलन,और क्षेत्रीय शक्ति समीकरणों का व्यापक प्रतिबिंबहै।अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह युद्धविराम मूलतः एक टैक्टिकल पॉज है, न कि स्थायी समाधान। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह युद्ध का अंत नहीं बल्कि वार्ता की संभावनाओं को खोलने के लिए लिया गया कदम है। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद नहीं होंगी,बल्कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उस पर हमले रुकते हैं या नहीं।इस प्रकार, यह युद्धविराम शर्तों पर आधारित है,एक ऐसा संतुलन जहां दोनों पक्ष अपनी सैन्य तैयारियों को बनाए रखते हुए कूटनीतिक संवाद का रास्ता तलाश रहे हैं। यही कारण है कि ईरान ने साफ कहा कि हमारे हाथ ट्रिगर पर हैं, जो इस समझौते की अस्थिरता को उजागर करता है।

साथियों बात अगर हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज- वैश्विक ऊर्जा राजनीति का केंद्र इसको समझने की करें तो इस पूरे संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्ट्रैट ऑफ़ होर्मूज़ है, जिससे होकर विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती है। अमेरिका की प्रमुख मांग रही है कि इस जलमार्ग को तुरंत और सुरक्षित रूप से खोला जाए।ईरान ने इस पर सैद्धांतिक सहमति तो दी है,लेकिन अपनी शर्तों के साथ,जिसमें उसकी सैन्य निगरानी औरतकनीकी नियंत्रण शामिल है। यह दर्शाता है कि ईरान इस जलमार्ग को केवल व्यापारिक मार्ग नहीं बल्कि एक रणनीतिक हथियार के रूप में देखता है।यदि होर्मुज बंद होता है, तो वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल, सप्लाई चेन बाधित होना, और आर्थिक अस्थिरता निश्चित है। इसीलिए इस जलमार्ग का खुलना पूरी दुनिया के लिए राहत का संकेत माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम ईरान की 10 शर्तें- शांति यारणनीतिक दबाव? इसको समझने की करें तो ईरान ने युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने के लिए 10 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है,जो केवल सैन्य संघर्ष समाप्त करने तक सीमित नहीं बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक पुनर्संतुलन की मांग करता है।इन शर्तों में अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाना, जब्त संपत्तियों की वापसी, पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता, और क्षेत्रीय संघर्षों जैसे यमन, लेबनान, इराक–का स्थायी समाधान शामिल है। साथ ही, ईरान ने परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता भी जताई है, लेकिन इसके साथ यूरेनियम संवर्धन के अधिकार की बात भी रखी है।यहीं सबसे बड़ा विवाद उत्पन्न होता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना चाहता है, जबकि ईरान इसे अपनी संप्रभुता का हिस्सा मानता है। फारसी और अंग्रेजी दस्तावेजों में यूरेनियम संवर्धन को लेकर अंतर इस वार्ता को और जटिल बनाता है।

साथियों बात अगर हम जमीनी हकीकत- युद्धविराम के बावजूद जारी हमले इसको समझने की करें तोयुद्धविराम की घोषणा के बावजूद, खाड़ी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं। इजराइल द्वारा ईरान पर हमले जारी रखना और ईरान की ओर सेजवाबी कार्रवाई इस बात का संकेत है कि जमीनी स्तरपर स्थिति अभी भी नियंत्रण में नहीं है।यह विरोधाभास राजनीतिक घोषणाएं बनाम वास्तविक घटनाएं इस संघर्ष की जटिलता को उजागर करता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि युद्ध केवल दो देशों तक सीमित नहीं बल्कि एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष बन चुका है, जिसमें कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष खिलाड़ीसटीक रूप से शामिल हैं।

साथियों बात अगर हम इस संपूर्ण मामले पर भारत की प्रतिक्रिया- संतुलित कूटनीति और मानवीय चिंता को समझने की करें तो,भारत ने इस युद्धविराम का स्वागत करते हुए इसे शांति की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा से संवाद और कूटनीति का समर्थक रहा है।हालांकि, भारत की प्राथमिक चिंता अपने नागरिकों की सुरक्षा है। 8 अप्रैल 2026 को एम्बेस्सी ऑफ़ इंडिया इन तेहरान ने एक आपातकालीन एडवाइजरी जारी कर ईरान में रह रहे लगभग 9,000 भारतीयों से देश छोड़ने की अपील की।यह कदम दर्शाता है कि भारत स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है और किसी भी संभावित खतरे से पहले अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालना चाहता है। यह प्रोएक्टिव डिप्लोमेसी का उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम सीज़फायर के मुद्दे पर भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया- कूटनीति बनाम राजनीति को समझने की करें तो इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम का प्रभाव भारत की आंतरिक राजनीति पर भी पड़ा है। महाराष्ट्र क्षेत्रीय पार्टी के एक नेता ने केंद्र सरकार और पीएम पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भारत इस वैश्विक संकट में प्रभावी भूमिका निभाने में असफल रहा।उन्होंने पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता का हवाला देते हुए सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए। इसके जवाब में सत्ताधारी दल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि स्थिति की गंभीरता को समझना आवश्यक है और भारत अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के अनुसार कार्य कर रहा है।यह बहस दर्शाती है कि विदेश नीति भी अब घरेलू राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी है।

साथियों बात कर हम सीजफायर क़े इस मुद्दे पर पाकिस्तान की भूमिका- कूटनीतिक अवसर या अतिशयोक्ति? इसको समझने की करें तो इस युद्धविराम में पाकिस्तानी पीएम और सेवा प्रमुख की भूमिका को लेकर चर्चा हो रही है। ट्रंप ने स्वयं दावा किया कि पाकिस्तान के अनुरोध पर उन्होंने सैन्य कार्रवाई रोकी फ़िर भी हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि सीमित है, लेकिन यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान इस स्थिति को एक कूटनीतिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। इससे दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में भी नए समीकरण बन सकते हैंइसी बीच, भारत द्वारा पाकिस्तान सीमा के पास नोटम जारी करना और बंगाल की खाड़ी में जीएनएसएस (जीपीएस) जैमिंग ट्रायल की योजना इस बात का संकेत है कि आधुनिक युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं रहा।सैटेलाइट सिग्नल को बाधित करने की क्षमता भविष्य के युद्धों में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह कदम भारत की तकनीकी और सामरिक तैयारी को दर्शाता है, जो बदलते वैश्विक सुरक्षा वातावरण के अनुरूप है। साथियों बात अगर हम इस पूरे मामले और सीज़ फायर को अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष में समझने की करें तो वैश्विक प्रभाव- ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर असर होगा इस संघर्ष का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक है। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार मार्ग, और वित्तीय बाजार–आल इंटरकनेक्टेड हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने या बंद होने का सीधा असर तेल की कीमतों और वैश्विकअर्थव्यवस्था पर पड़ता है।इसके अलावा, यह संघर्ष अमेरिका, ईरान, इजरायल, खाड़ी देशों और अन्य शक्तियों के बीच शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करता है। यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो इसका असर वैश्विक मंदी तक पहुंच सकता है।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि अनिश्चित शांति और लंबी कूटनीतिक यात्रा 8 अप्रैल 2026 का यह युद्धविराम एक राहत अवश्य प्रदान करता है, लेकिन यह स्थायी शांति का संकेत नहीं है। ईरान और अमेरिका के बीच अविश्वास, परमाणु कार्यक्रम पर मतभेद, और क्षेत्रीय संघर्षों की जटिलता इस समझौते को बेहद नाजुक बनाती है।भारत जैसे देशों के लिए यह समय संतुलित कूटनीति, नागरिक सुरक्षा, और रणनीतिक तैयारी का है। वहीं, वैश्विक समुदाय के लिए यह एक चेतावनी है कि केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और समझ से ही स्थायी शांति संभव है।इस प्रकार, यह युद्धविराम एक अंत नहीं बल्कि एक अंतराल है एक ऐसा अंतराल, जिसमें दुनिया को यह तय करना है कि वह संघर्ष की ओर बढ़ेगी या सहयोग की ओर बढ़ेगी

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ड्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्याः मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मड्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर : 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुम्भ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

प्राइवेट ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन की गोली मारकर हत्या, सेवानिवृत्त मुख्य आरक्षी का बेटा हिरासत में

सीतापुर एजेंसी। सीतापुर में ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन की सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी के पुत्र ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों के बीच देर रात विवाद हुआ था।' सीतापुर की कोतवाली देहात के नैपालपुर स्थित प्राइवेट सरोज चैरिटेबल ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन की सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी के पुत्र ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। आजमगढ़ निवासी सतीश यादव (30) ब्लड बैंक में लैब टेक्नीशियन थे। देर रात उनका सेवानिवृत्त मुख्य आरक्षी राजकुमार सिंह के पुत्र शिवेश सिंह से विवाद हुआ। इसके बाद शिवेश अपने घर पहुंचे। उन्होंने अटैची में रखी पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर को अटैची का एक हिस्सा जलाकर निकाला। इसके बाद देर रात 2 से 3 बजे सतीश को गोली मार दी। लोगों ने सतीश को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने सतीश को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में बिना रिपोर्ट देखे कर दिया एचआईवी पॉजिटिव का ऑपरेशन

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर जिले में उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, सिद्दीकपुर के डॉक्टरों की एक आत्मघाती लापरवाही सामने आई है। यहां सर्जिकल विभाग ने एक एचआईवी पॉजिटिव मरीज का बिना जांच रिपोर्ट आए ही ऑपरेशन कर दिया। अगले दिन जब रिपोर्ट पॉजिटिव आई, तो पूरे अस्पताल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। संक्रमण के खतरे को देखते हुए आनन-फानन इमरजेंसी सर्जरी सेवाओं को 15 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। सरायख्वाजा थानाक्षेत्र का एक युवक हाइड्रोसील की समस्या लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन से पहले उसका सैंपल लेकर लैब भेजा था।

दवा लेने निकली विवाहिता चार वर्षीय बच्ची संग लापता

फूलपुर, एजेंसी। फूलपुर थाना क्षेत्र निवासी विवाहिता चार साल की बेटी के साथ दवा लेने निकली, लेकिन घर नहीं लौटी। खोजबीन कर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। तहरीर में बताया गया कि विवाहिता 8 अप्रैल की सुबह 9 बजे स्कूटी से बेटी के साथ पिंडरा बाजार दवा लेने के लिए निकली थी। पिंडरा में एक दुकान के पास स्कूटी खड़ी कर उसने सब्जी विक्रेता को चाबी देते हुए कहा कि उसके पिता आएं तो दे देना। इसके बाद वहां से चली गई। शाम तक घर न लौटने पर मायके व ससुराल पक्ष के लोग चिंतित हो गए और खोजबीन के बाद बृहस्पतिवार को गुमशुदगी दर्ज कराई। थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि खोजबीन की जा रही है।

गांजा तस्करी की फर्जी सूचना पर पुलिस रही परेशान

वाराणसी, एजेंसी। गांजा तस्करी की गलत सूचना पर पुलिस घंटों परेशान रही। थाना प्रभारी पंकज त्रिपाठी को सूचना मिली थी कि बिहार नंबर की एक सफेद कार में एक कुंतल गांजा लेकर कुछ लोग रिंग रोड से उतरकर सारनाथ क्षेत्र की ओर आ रहे हैं। सुबह 9.30 बजे थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ फरीदपुर रिंग रोड अंडरपास के पास पहुंच गए और संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान बिहार नंबर की एक सफेद कार को रोककर पुलिस ने सघन तलाशी ली।

30 जून तक बनकर तैयार होगी दालमंडी की सड़क, 60 मकान तोड़े जा चुके

वाराणसी, एजेंसी। इसकी मियाद 17 अक्तूबर को ही पूरी हो गई थी। 29 अक्तूबर से यहां तोड़फोड़ शुरू की गई। चौक थाने में खुले लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अस्थायी कैंप कार्यालय पर लोग मुआवजे के लिए अपने कागजात जमा कर रहे हैं। जिनका वेरिफिकेशन के बाद मुआवजा दिया जा रहा है। लोगों को एक निर्धारित अवधि का समय दिया गया था। लोगों से अपील की जा रही है कि जल्द से जल्द मुआवजे के लिए अपने कागजात जमा करवा दें, क्योंकि यदि लोग नहीं पहुंचते हैं, तो फिर अधिग्रहण 2013 नियमावली का सहारा लेना होगा। 44 हजार वर्ग मीटर निर्धारित सर्किल रेट से दोगुना यानी 88 हजार वर्ग मीटर के आधार पर अपनी संपत्ति का आकलन करवाकर मुआवजे की धनराशि दी गई थी।शंकाओं का समाधान करने के बाद शुरू की

अब तक 47 मकानों की रजिस्ट्री

गई तोड़फोड़ :अधिकारियों का कहना है कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों को जो भी शंकाएं हैं, उनके समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारी, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग और नगर निगम की टीम को संयुक्त रूप से ऑफिस बनाकर चौक परिसर में ही बैठाया गया है। कैंप कार्यालय में मौजूद राजस्व अधिकारियों का कहना है कि 15 वर्ग मीटर की एक दुकान में तीन हिस्सेदारों के शामिल होने पर, उनकी रजिस्ट्री के कागजात सर्वे में सही पाए जाने पर मुआवजा दिया जा रहा है। अब तक लोग अलग-अलग तरह के विवादों में उलझे हुए हैं। कई लोगों के पास संपत्ति का कोई प्रमाण नहीं: किसी के पास मकान के कागजात नहीं हैं, तो किसी के पास अपनी संपत्ति का कोई प्रमाण नहीं है।

किरायेदारी विवाद भी सबसे बड़ी वजह है, जिसकी वजह से मकान मालिक खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में किरायेदार और मकान मालिक के आपसी समन्वय से बातचीत करके ही बीच का रास्ता निकाला जा सकता है, लेकिन उसके लिए दोनों पक्षों को पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग से मिलना होगा।एक नजर में योजनाः दालमंडी चौड़ीकरण योजना में 17.4 मीटर में सड़क, फुटपाथ और नाली का निर्माण होगा।दोनों तरफ 10 मीटर की सड़क और 3.2-3.2 मीटर का फुटपाथ होगा।लगभग आधा मीटर की नाली बनाई जाएगी।इलेक्ट्रॉनिक वायरिंग, केबल, बिजली, स्ट्रीट लाइट–सब कुछ अंडरग्राउंड ही होगा।

मजदूरों के टेंट पर पलटा बजरी से भरा ट्रक, तीन लोगों की हुई मौत, दो की हालत गंभीर

सहारनपुरी, एजेंसी। ग्रामीणों ने बताया कि पुल पर डेढ़ माह से काम चल रहा है। रात के वक्त चालक बगल से बनाए गए वैकल्पिक मार्ग पर जाने के बजाय पुल पर चढ़ गया और हादसा हो गया। हादसे के बाद चालक भाग गया।शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सभी ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद बजरी हटाकर पांचों को गंभीर हालत में बाहर निकाला और जिला अस्पताल भर्ती कराया। वहां तीन मजदूरों असगर, इस्तखार, शौकीन निवासी जाटोवाला थाना मिर्जापुर को मृत घोषित कर दिया गया जबकि दो गुलफाम निवासी जाटोवाला और कर्मवीर निवासी असगरपुर का गंभीर हालत में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद चालक भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुल पर डेढ़ माह से काम चल रहा है। रात के वक्त चालक बगल से बनाए गए वैकल्पिक मार्ग पर जाने के बजाय पुल पर चढ़ गया और हादसा हो गया। बताया जाता है

आंधी ने किया अंधेरा, दो लाख लोगों की बिजली 22 घंटे तक के लिए गुल, ध्वस्त हुआ नेटवर्क

लखनऊएजेंसी। आंधी-बारिश के कारण एयरफोर्स स्टेशन मेमौरा, मोहनलालगंज, बनी, हरौनी, कटी बगिया और गेहरू में बिजली आपूर्ति का नेटवर्क ध्वस्त हो गया। इससे करीब दो लाख लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। राजधानी लखनऊ में बुधवार रात आंधी-बारिश के कारण एयरफोर्स स्टेशन मेमौरा, मोहनलालगंज, बनी, हरौनी, कटी बगिया और गेहरू सहित दो लाख से अधिक आबादी को 12 से 22 घंटे तक बिजली संकट झेलना पड़ा। आंधी-बारिश के कारण इन इलाकों में बिजली आपूर्ति करने वाले 11 व 33 केवी बिजली लाइनों का नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इस कारण प्रभावित इलाकों में परिवारों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली के साथ-साथ पानी की आपूर्ति भी बाधित रही, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ी। इन इलाकों में बुधवार रात 8 बजे बिजली आपूर्ति बाधित हुई, जो बृहस्पतिवार दोपहर तक बहाल नहीं हो सकी। एयरफोर्स स्टेशन मेमौरा को छोड़कर अन्य सभी इलाकों में बिजली की बहाली के लिए विभागीय कर्मचारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अमौसी जोन के मुख्य अभियंता राम कुमार,कर स्थिति का जायजा लिया।

ऑनलाइन गेमिंग में रकम डूबने पर छात्र ने लगाया फंदा, दोस्त से उधार लिए थे पैसे, प्रताड़ित करने का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। पिता दिनेश सिंह ने बताया कि बेटा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के साथ ट्यूशन पढ़ाता था। कुछ समय से वह परेशान था। पूछने पर भी उसने कुछ नहीं बताया था।विशाल के पिता दिनेश सिंह ने बताया कि बेटा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के साथ ट्यूशन पढ़ाता था। कुछ समय से वह परेशान था। पूछने पर भी उसने कुछ नहीं बताया था। बुधवार दोपहर दादी पूनम मकान की दूसरी मंजिल पर गई तो विशाल को कमरे की रोशनदान से गमछे के सहारे लटका देखा। उनकी चीख सुन मां संगीता और अन्य घरवाले भी आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया। विशाल का एक

भाई और एक बहन है। दोस्त से उधार लिए थे 30 हजार रुपये- दिनेश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर बेटे का दोस्त घर आया था। उसने बताया कि विशाल ने इलाके के रहने वाले दोस्त से 30 हजार रुपये उधार लिए थे। वह विशाल को प्रताड़ित कर रहा था। इससे तंग आकर विशाल ने जान दे दी। मानकनगर थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। विशाल ऑनलाइन गेम खेलता था। इस कारण वह कर्ज में डूब गया था। तनाव में आकर उसने जान दे दी। घरवालों ने कोई तहरीर नहीं दी है। क्रिकेट खेलने का था शौकीन - पिता ने बताया कि विशाल क्रिकेट खेलने का शौकीन था। वह लेफ्ट आर्म का बॉलर था। अंडर-16 में ट्रायल दे चुका था। अंतिम चरण में रह गया था। कोरोना काल के बाद उसका मन क्रिकेट से हट गया।

पहले भी लोगों ने दी है जानः - 21 अगस्त 2025 को गोमतीनगर विस्तार में इंटर के छात्र ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण फंदा लगा लिया था।

फीनिक्स मॉल के पास की सब्जी मंडी में लगी आग, दुकान में रखा सिलिंडर फटा; इलाके में मची भगदड़

लखनऊ एजेंसी। कृष्णानगर में फीनिक्स मॉल के पास स्थित बाराबिरवा सब्जी मंडी में बृहस्पतिवार रात आग लग गई। इसमें 26 दुकानें जलकर राख हो गईं। फास्ट फूड की दुकान में रखा गैस सिलिंडर फटने से भगदड़ मच गई। दमकल की 12 गाड़ियां तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा सकीं। एक दुकानदार समाना निकालते समय मामूली रूप झुलस गया।

बाराबिरवा सब्जी मंडी में करीब दो सौ दुकानें हैं। रात करीब दस बजे राम गोपाल की फल की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। थोड़ी ही देर में विकराल हुई लपटों ने 25 और दुकानों को चपेट में ले लिया। सूचना पर एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा, सीएफओ अंकुश मित्तल और एफएसओ धर्मपाल सिंह मौके पर पहुंचे। आलमबाग फायर स्टेशन से पहुंची तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाना शुरू किया, लेकिन लपटें और विकारल हो गईं। इस पर सीएफओ ने दमकल की और गाड़ियां मंगवाईं।

दुकानों की टीन तोड़कर बुझाई गई आगः धुएं के कारण सांस लेने में मुश्किल होने पर दमकलकर्मियों को वीआर सेट पहनना पड़ा। आग बुझाने के लिए क्रेन से दुकानों की टीन तोड़नी पड़ी। करीब एक बजे तक आग बुझा ली गई। इस बीच पुलिस ने कानपुर रोड से फीनिक्स मॉल जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया। इससे लंबा जाम लग गया।

फटा सिलिंडर तो पुलिस ने खाली कराईं दुकानें: कृष्णानगर में फीनिक्स मॉल के पास स्थित सब्जी मंडी में बृहस्पतिवार रात आग लग गई। 26 दुकानों के आग के चपेट में आने से कृष्णानगर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आस-पास की दुकानों को खाली कराना शुरू किया। दमकल कर्मी चार टीमों में बंटे गए। चारों तरफ से मंडी को घेर कर दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। मगर आग और विकराल होती चली गई। इस बीच मंडी में ही सायरा की फास्ट फूड दुकान में रखा गैस सिलिंडर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। लोग इधर-उधर भागने लगे।

आग की सूचना पर जब देवी शंकर राजपूत बेटे दुर्गेश के साथ मौके पर पहुंचे तो मंडी में जलती अपनी कपड़े की दुकान को देखकर फफक पड़े।

कार ने जिस तरह रौंदा सीसीटीवी देख खड़े हो गए रोंगटे, हत्या या हादसा

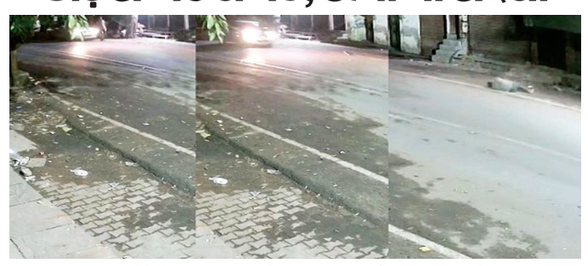

आगरा, एजेंसी। आगरा में ट्रांसपोर्टर असगर अली की संदिग्ध हालत में मौत के बाद परिजनों ने हत्या की साजिश का आरोप लगाया है। सीसीटीवी में टक्कर मारकर भागती कार दिखी है, पुलिस कई टीमों के साथ जांच में जुटी है।आगरा के थाना शाहगंज मार्ग के मल्ल का चबूतरा पर ट्रांसपोर्टर की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मामले में मृतक के परिजन ने हत्या का शक जताया है। इसकी साजिश का आरोप जीएसटी और नगर निगम के अधिकारियों पर लगाया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। उधर हादसा करने वाली कार की भी पहचान हो गई है। तीन टीम को जांच के लिए लगाया गया है। कॉल डिटेल से भी जानकारी ली जा रही है।शुक्रवार रात को शाहगंज के मेवाती नगला निवासी अजमन ट्रांसपोर्ट के संचालक असगर अली सड़क पर पड़े मिले थे। उन्हें परिजन अस्पताल ले गए थे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

विक्रमादित्य का नाम न्याय और पराक्रम का पर्याय काशी में बोले एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव

वाराणसी, एजेंसी।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य भारतीय इतिहास के ऐसे महान शासक थे जिनकी कीर्ति आज भी जनमानस में जीवित है। विक्रमादित्य का नाम न्याय और पराक्रम का पर्याय है। उनके जीवन पर आधारित यह मंचन न केवल मनोरंजक है, बल्कि शिक्षाप्रद भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरेका में कहा कि मां गंगा के तीरे महान् सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य कार्यक्रम की प्रस्तुति सारगर्भित है। तीन भाइयों की जोड़ी की चर्चा करते हुए कहा कि श्रीराम व लक्ष्मण, श्रीकृष्ण व बलदाऊ और भर्तृहरि एवं विक्रमादित्य देश ही नहीं दुनिया में प्रसिद्ध हैं। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ पर्यटन एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशन में बेतवा नदी को भी जोड़ने का कार्य मध्य प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का उप्र के मंत्री राकेश सचान व मंत्री अनिल राजभर ने धर्म पट्टिका व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

योगी ने मध्य प्रदेश के सीएम का आभार जतायाः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस महानाट्य रूपांतरण को भारतीय संस्कृति, पराक्रम, दानवीरता, न्याय व्यवस्था और सुशासन जैसे मूल्यों को पुनर्जीवित करने का माध्यम बताया। यह प्रयास आज की नई पीढ़ी को अपने प्राचीन सांस्कृतिक मूल्य और आदर्शों से जोड़ने के वृहद अभियान का एक हिस्सा है। इस सराहनीय प्रयास के लिए उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, संस्कृत विभाग और सभी कलाकारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।श्रीविश्वनाथ की काशी में महाकाल की भस्म आरती से काशीवासी अभिभूत

तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महोत्सव का हुआ भव्य आगाजः विक्रमोत्सव-2026 के तहत उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और न्यायप्रियता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार को तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का जीवंत मंचन हुआ। बरेका के सूर्य सरोवर के सामने मैदान में हुए इस मंचन में 225 से ज्यादा कलाकार हाथी, घोड़े, रथ, पालकियां, भव्य युद्ध, लाइट शो, आतिशबाजी नृत्य और बाबा महाकाल की भस्म आरती की दिव्य झलकियां शामिल रही। महान सम्राट विक्रमादित्य के जन्म से राजतिलक तक की गाथा, विक्रम बेताल की कथा और सनातन धर्म के उत्थान की महा काव्य कथा इस महानाट्य में जीवंत हुई।शुभारंभ के मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और ऐसे आयोजन उस विरासत को जीवित रखने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा सम्राट विक्रमादित्य केवल एक राजा नहीं थे, बल्कि न्याय, धर्म और लोककल्याण के प्रतीक थे। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ सके। मंचन के शुरू होने से पहले पूरा परिसर तालियों और जयघोष से गूंज उठा।

सुबह टिफिन लेकर निकलते थे, पांच-पांच के समूह में की-पैड मोबाइल से कॉल कर करते थे ठगी

कानपुर , एजेंसी। घाटमपुर के रेउना क्षेत्र के गांव में साइबर अपराध से जुड़े कई आरोपी नौकरी करने की बात कहकर ठगी का खेल में शामिल थे। वह सुबह अपने साथ टिफिन लेकर काम पर जाने की बात कहकर निकलते और शाम को बाजार से फल और सब्जी लेकर लौटते थे। गिरोह ने बचने के लिए फुल प्रूफ तैयारी की थी। की-पैड मोबाइल से पांच-पांच के समूह में लोगों को कॉल कर शिकार बनाया जाता था। यह जानकारी पुलिस को आरोपियों से पूछताछ में हासिल हुई है। साइबर क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और पुलिस फरार शातिरों की तलाश कर रही है।रेउना क्षेत्र में साइबर क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और पुलिस ने ड्रोन की मदद से छापेमारी कर साइबर अपराध करने के आरोप में 20 लोगों को गिरफ्तार किया था, जबकि 14 फरार हो गए थे। इस कार्रवाई में 20 चार पहिया और 50 दो पहिया वाहनों से 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी शामिल हुए थे। एडीसीपी एसओजी सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि गिरोह भले ही पढ़ा लिखा नहीं था, लेकिन उनका तरीका काफी शातिर था। उनकी सारी कॉल की-पैड मोबाइल से होती थी, जबकि एंड्राइड फोन से पुलिस का सायरन बजाने का कार्य किया जाता था। आरोपी छोटे-छोटे समूह में अलग अलग खेतों में बैठकर कॉल किया करते थे। उनकी सुरक्षा के लिए खेतों के रास्ते में किशोर, बच्चे और बुजुर्गों की ड्यूटी लगाई जाती थी। यह सूचनाएं देने का काम करते थे। अगर कोई नया व्यक्ति या कार आती थी तो तुरंत इसकी जानकारी टीम को देते थे। गिरोह में शामिल शैलेंद्र का इतिहास खंगाला जा रहा हे। वह चेन्नई और महाराष्ट्र के गैंग में लंबे समय तक शामिल था। उसने ही गांव से कई युवकों को वहां बुलाया था और इसी तरह का कार्य शुरू कर दिया। वहां की पुलिस की दबिश में आरोपी भागकर गांव में आ गए।एडीसीपी एसओजी सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि साइबर अपराध से जुड़े आरोपियों की संख्या काफी अधिक है। इन लोगों ने ए, बी, सी, डी...एल्फाबेट से अपनी टीम के नाम रखे हुए थे। एक टीम दूसरे को संदेश भेजती थी। अगर कोई दिक्कत होती थी तो तुरंत बैकअप में गांव के अन्य लड़कों को आने के लिए कहा जाता था। आरोपियों के पास मिले मोबाइल सिम फर्जी दस्तावेजों से हासिल किए गए हैं। पुलिस को कई बैंक खाते भी मिले हैं। यह म्यूल अकाउंट होंगे। आरोपियों ने दूसरे के नाम पर खुलवाए हैं।आरोपी अधिकारियों के हाव-भाव, उनका स्टाइल, बोलने और निर्देश देने का तरीका अच्छी तरह से देखा करते थे। इसके लिए समाधान दिवस, थाना दिवस, तहसील और अन्य जगहों पर जाया करते थे। कई बार गुपचुप तरीके से थाने गए और अपराध की जानकारी जुटाई। कॉल करने पर दूसरी ओर से कोई जानकार बात करने लगता था तो बातचीत की जिम्मेदारी दूसरा संभाल लेता था। इसी तरह से अन्य विभागों की जानकारी हासिल करते थे। सरकारी योजनाओं, उसमें लगने वाले दस्तावेज, बैंक में केवाईसी फॉर्म, ओटीपी आदि की जानकारी रखते थे।

मुझे मेरी बीवी से बचाओ, चिल्लाता हुआ युवक ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर से कूदा, राहगीरों ने बहुत मनाया फिर भी न माना

गाजियाबाद,एजेंसी। दिन बृहस्पतिवार। समय रात के नौ बजे। सड़कों पर ट्रैफिक थोड़ा हल्का हो गया। इसी बीच थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर ब्रिज पर एक युवक पैदल पहुंचा। उसने देखा कि सामने ही जिला एमएमजी अस्पताल भी है। यह युवक जोर जोर से चिल्लाने लगा। वह कहने लगा, 'मुझे मेरी बीवी से बचाओ।' युवक को देखकर पुल के ऊपर और नीचे लोगों की भीड़ जुटने लगी। लोगों ने नीचे उतरने की सलाह दी लेकिन युवक नहीं माना और मरने की बात कहकर फ्लाईओवर से कूद गया। घायल युवक को अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार युवक के हाथ, पैर, सिर और कमर में गंभीर चोटे आई है। पुलिस को सूचना भेजने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने युवक की पहचान की। 31 वर्षीय युवक अनिल कुमार झंडापुर साहिबाबाद का रहने वाला है। जानकारी के बाद स्वजन भी अस्पताल पहुंचे।

फरीदाबाद नगर निगम मुख्यालय के चारों ओर बनेगी 1.76 करोड़ की नई सड़क, मिलेगी राहत

फरीदाबाद,एजेंसी। नगर निगम मुख्यालय के चारों तरफ टूटी सड़क को जल्द ही बनाने का काम शुरू किया जाएगा। निगम ने सड़क बनाने को लेकर 1.76 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया है। निगम का दावा है कि इस माह के अंत में काम भी शुरू कर दिया जाएगा। निगम मुख्यालय के चारों तरफ पिछले कई सालों से सड़क टूटी हुई है। इस सड़क से तीन नंबर की तरफ से आने वाले लोग दशहरा ग्राउंड होते बादशाह खान नागरिक अस्पताल व नगर निगम मुख्यालय जाते हैं। इसके साथ ही सैनिक कालोनी, डबुआ कालोनी और अन्य जगहों पर जाने वाले लोग भी इसी सड़क का प्रयोग करते हैं। सड़क पर कई जगह गड्ढे बने हुए हैं। जर्जर रोड के कारण काफी जाम भी लग जाता है। कई बार तो मरीज को ले जा रही एंबुलेंस भी फंस जाती है। लोगों की ओर से पिछले काफी समय से सड़क को बनाने की मांग की जा रही थी। निगम टूटी सड़क पर बार बार पेच वर्क करवाकर काम चला रहा था। वर्षा के समय पेच वर्क पूरी तरह खराब हो जाता है। मेयर प्रवीण बतरा जोशी की ओर ने सड़क के निर्माण को लेकर निगम आयुक्त को निर्देश दिए थे। जिसके बाद टेंडर लगाया गया है। हालांकि इससे पहले भी निगम की ओर से सड़क निर्माण को लेकर टेंडर लगाया गया था। लेकिन किसी भी एजेंसी ने निर्माण में रूचि नहीं दिखाई। इस सड़क से प्रतिदिन पांच हजार से अधिक लोग गुजरते हैं। कई वाहन चालक संतुलन बिगड़ने के कारण गिर भी चुके हैं। शीघ्र ही सड़क निगम मुख्यालय के दोनों तरफ बनाई जाएगी।

अवैध कोचिंग और स्कूलों पर होगी कार्रवाई

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने डीआइओएस, बीएसए और बीईओ को पत्र लिखकर अमान्य विद्यालयों के खिलाफ 18 अप्रैल तक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि जांच के दौरान निजी कोचिंग में संलग्न शिक्षकों की भी जांच कर कार्रवाई करें। रिपोर्ट भी देने को कहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिषद की विनियमावली और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय की स्थापना और संचालन प्रतिबंधित है। जिले में ऐसे संस्थानों को चिह्नित करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग का सहयोग लिया गया है। बीएसए से बीईओ को अवैध संस्थानों को चिह्नित कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। जल्द ही इसकी सूची बोर्ड को उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले साल 25 संस्थानों पर कार्रवाई हुई थी।

पागल कुत्ते ने उमरहा, खानपुर में पांच लोगों को काटा, एक गंभीर

वाराणसी, एजेंसी। विकासखंड के ग्राम पंचायत उमरहा और खानपुर में बृहस्पतिवार सुबह एक पागल कुत्ते ने पांच लोगों को काट लिया। एक की हालत गंभीर है। क्षेत्र में लोगों में डर बना हुआ है। उमरहा निवासी नंदलाल राजभर के कमरे में एक पागल कुत्ता घुसकर बैठ गया। जब नंदलाल कमरे में पहुंचे और कुत्ते को बाहर भगाने का प्रयास किया तभी उसने उन पर झपट्टा मारकर चेहरे को बुरी तरह नोच लिया। वह चिल्लाने लगे। लोग मौके पर पहुंचे तभी कुत्ते ने वहां से निकलकर गांव की निधि पाण्डेय (19) को भी काट लिया। इसके बाद खानपुर गांव में भी उसने सूर्यांश, धीरेंद्र और हितेश को काट लिया। ग्रामीणों ने कुत्ते को पकड़ने के लिए खोजबीन शुरू की, जिसके बाद वह गांव की बस्ती से कुछ दूरी पर मरा मिला। घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार के लिए पहुंचाया गया। पीएचसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि सभी घायलों का उपचार कर दिया गया है। गंभीर रूप से घायल नंदलाल राजभर को बेहतर इलाज के लिए मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा रेफर कर दिया गया है

पांच साल से फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, 101 मोबाइल की चोरी में था वांछित

वाराणसी, एजेंसी। कैंट थाना पुलिस ने पांच साल से फरार 25 हजार के इनामिया श्रवण महतो उर्फ मोकामा को सुबह 7.30 बजे अंबेडकर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी पर संगठित गिरोह के साथ मिलकर 101 मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप है। श्रवण महतो उर्फ मोकामा निवासी बाबूपुर थाना तीन पहाड़ जिला साहेबगंज झारखंड का है। 2021 में कैंट थाने में दर्ज मोबाइल चोरी के मामले में उसका नाम सामने आया था। तब से भागा हुआ था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपी चोरी किए गए मोबाइल फोन बाजार में बेचने का काम करता था। मामले में न्यायालय ने वारंट जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा गया था।

स्मार्ट मीटर का झटका नोएडा के सेक्टर-34, 62, 11 में उपभोक्ता परेशान, आरोप- रिचार्ज फुल फिर भी बत्ती गुल

नोएडा,एजेंसी। बिजली विभाग का स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बनता जा रहा है। स्थिति ऐसी हो गई है कि रीडिंग में मैराथन दौड़ लगाने के बीच प्रीपेड मीटर के अचानक स्मार्ट झटके से उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाला जा रहा है। परेशान और हताश उपभोक्ताओं ने अब विद्युत अधिकारियों से ओवर-स्मार्ट मीटर के झंझट से त्वरित पोस्टपेड राहत देने की गुहार लगाई है, लेकिन अधिकारी बहाने और लापरवाही को अमलीजामा पहनाकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में लगे हैं। उपभोक्ताओं की लगातार शिकायतों पर सरकार ने स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को फिलहाल बंद कर दिया है। मगर जिले में 40 हजार से ज्यादा स्मार्टमीटर के उपभोक्ताओं को अभी तक मरहम लगाने की इंतजार है। सेक्टर-34, सेक्टर-62, सेक्टर-11 और अन्य विभिन्न सेक्टरों के उपभोक्ता खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उनका आरोप है कि स्मार्ट तरीके से परेशानी

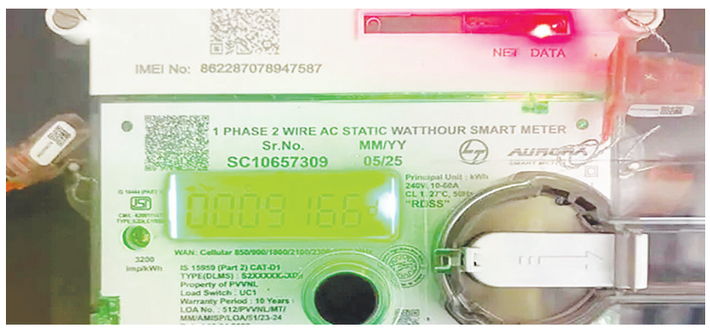

झेलकर वह अब थक चुके हैं। उन्हें अपने भविष्य के लिए जेब सुरक्षित करते हुए घर को रोशन करने के लिए पोस्टपेड मीटर की राहत चाहिए। विद्युत विभाग के स्मार्ट मीटर का खामियाजा सबसे ज्यादा बुजुर्गों को हो रहा है। उन्हें न तो मीटर रिचार्ज करने के लिए ऐप डाउनलोड कर उसे चलाना आता है और अचानक बिजली होने पर सर्वर डाउन की जिल्लत के साथ दोहरी मार झेलनी पड़ती है।

'धमकी' देकर स्मार्ट मीटर से जेब पर डाल रहे डाका : कुछ समय पहले बाहरी लोगों ने एच-ब्लाक में आकर धमकी दी कि मीटर रीडिंग लेने वालों का टेंडर खत्म होने पर रीडिंग से बिल नहीं बनेगा। बाद में 12 हजार रुपये का चार्ज भी वसूला जाएगा। इसी धमकी के चलते सोसायटी के 35-36 लोगों के घर प्रीपेड मीटर लगा दिए थे। पिछले दिनों अचानक बिजली सप्लाई बंद हो गई। विभाग में बात करने पर दो बार में 19 हजार रुपये का रिचार्ज किया जबकि पहले तो आठ हजार रुपये तक बिल आता था। इससे पहले दस दिन तक मानसिक तनाव में रहा था। मैं जल्दी ही बिजली विभाग जाकर पोस्टपेड मीटर के लिए आवेदन दूंगा।

झूठ बोलकर हमारे साथ किया स्मार्ट 'धोखा' : हमारे सेक्टर के एस और टी ब्लॉक में अधिकांश लोगों को झूठ बोलकर उनके घर में स्मार्ट मीटर लगाकर धोखा किया गया है जबकि ये मीटर उन क्षेत्रों में लगने चाहिए, जो बिल जमा नहीं करते हैं। मैं तो नोएडा बसने के समय से नियमित बिल जमा करता हूं। पूरे सेक्टर में बुजुर्ग लोग ज्यादा रहते हैं। विद्युत विभाग स्मार्ट तरीके से बुजुर्ग और लाखों उपभोक्ताओं को अंधेरे में रखकर शोषण कर रहा है। मैं जल्द ही स्मार्ट मीटर को पोस्टपेड में कराने के लिए आवेदन दूंगा।

रिचार्ज फुल, बत्ती गुल से ढीली हुई जेब

पिछले दिनों हमारी कॉलोनी के अधिकांश घरों में बिजली गुल हो गई थी। मुझे खुद रिचार्ज होने के बावजूद पांच हजार रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़े। जब बिजली गुल होती है तो सर्वर डाउन भी रहता है। इसमें बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। शिकायत करने पर अधिकांश समाधान नहीं उपभोक्ताओं को केवल चक्कर कटाकर परेशान करते हैं। सबसे बड़ी है कि हमनें प्रीपेड मीटर की मांग नहीं की थी, लेकिन कर्मचारियों ने धोखे में रखकर प्रीपेड मीटर लगा दिया। मैं चाहता हूं कि मीटर को पोस्टपेड किया जाए। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं की समस्या का कैंप लगाकर समाधान किया जा रहा है। अभी

गुरुग्राम: साइबर सिटी में किफायती घर खरीदना हुआ आसान, सरकार ने तय की नई दरें और नियम

नया गुरुग्राम,एजेंसी। हरियाणा सरकार ने किफायती आवास को नियंत्रित करने वाले नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए नई दरें और पार्किंग मानक तय किए हैं। दरअसल, हरियाणा कैबिनेट की बैठक के बाद हाल ही में दरों में संशोधन की घोषणा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप, गुरुग्राम के निवासियों को एक बार फिर अपना घर खरीदने का सपना सच होता दिख रहा है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, इन संशोधनों को किफायती आवास नीति-2013 में शामिल किया गया है, जिसका असर घर खरीदने वालों और डेवलपर्स, दोनों पर पड़ेगा।

नई अधिसूचना के तहत, अब हर फ्लैट के लिए एक समर्पित पार्किंग की जगह देना अनिवार्य है। इस सुविधा के लिए फ्लैट की कीमत का लगभग 10 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। इसके अलावा, किसी भी अतिरिक्त पार्किंग की जगह का उपयोग

आगंतुकों की पार्किंग या दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए किया जा सकता है। भवन योजनाओं को मंजूरी देते समय सभी पार्किंग स्लॉट को स्पष्ट रूप से चिह्नित करना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

जिन परियोजनाओं के लिए लाइसेंस और भवन योजनाएं पहले ही स्वीकृत हो चुकी हैं लेकिन जिनमें वर्तमान में पार्किंग का कोई प्रावधान नहीं है, वहां किसी भी बदलाव को लागू करने के लिए डेवलपर्स को कम से कम दो-तिहाई आवंटियों की सहमति लेनी होगी। हालांकि, यह लाभ उन परियोजनाओं पर लागू नहीं होगा जिन्हें पहले ही अपना ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिल चुका है।

बालकनियों के लिए अतिरिक्त शुल्क : यदि किसी फ्लैट में पांच फीट तक के विस्तार वाली बालकनी है, तो उसके लिए 1,300 प्रति वर्ग फुट का अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। हालांकि, यह कुल अतिरिक्त शुल्क प्रति फ्लैट 1.30 लाख से अधिक नहीं होगा।

आवेदकों के लिए विशेष प्रावधान : जिन आवास योजनाओं में आवेदन पहले ही आमंत्रित किए जा चुके हैं, वहां देय कोई भी अतिरिक्त राशि नई दरों के अनुसार ही ली जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बोर्ड करेगा निरीक्षण, अप्रैल से टिकट बिक्री शुरू होने की संभावना

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. बोर्ड के सदस्य बीस अप्रैल को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू होने के संदर्भ में बोर्ड सदस्यों का यह निरीक्षण कार्यक्रम अहम है। एयरपोर्ट से विमान सेवा के लिए अगले माह से टिकट की बिक्री शुरू होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण एवं संचालन के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने स्पेशल परपज व्हीकल कंपनी का गठन किया था। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के सदस्यों के अलावा यमुना प्राधिकरण के सीईओ व निदेशक नागरिक उड्डयन विभाग इस कंपनी

के बोर्ड में निदेशक के तौर पर शामिल हैं। बोर्ड सदस्यों का संयुक्त रूप से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का यह पहला निरीक्षण होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण कर चुके हैं, लेकिन अभी विमान सेवा शुरू होने का इंतजार हो रहा है। इससे पहले एयरपोर्ट को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम को स्वीकृति मिलने का इंतजार है। यापल के सीईओ के विदेशी होने के कारण यह मामला लंबित चल रहा है। बोर्ड सदस्य इस मामले को लेकर भी कोई निर्णय ले सकते हैं। जो एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने के लिए अहम साबित हो सकता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरुआत में घरेलू विमान सेवा शुरू करने की तैयारी है। देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए यहां से विमान सेवा उपलब्ध होगी। साल के अंत तक एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए एयरपोर्ट संचालक कंपनी के अलावा एयरलाइंस भी अपनी तैयारी में जुटी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल के बचे हुए शेष कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

जिला नागरिक अस्पताल में ओपीडी समय में बदलाव, 16 अप्रैल से बदल जाएगा टाइमिंग

गुरुग्राम एजेंसी। सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल की ओपीडी सेवाओं के समय में जल्द ही बदलाव होगा। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुसार अब 16 अप्रैल से अस्पताल की ओपीडी सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होगी। पहले की तुलना में ओपीडी एक घंटा पहले शुरू की जा रही है, ताकि आगामी दिनों में गर्मी से पहले अधिकतम मरीजों को सुविधा मिल सके। नई व्यवस्था के तहत पर्ची काउंटर भी सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक ही कार्य करेंगे। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि मौसम के अनुरूप समय परिवर्तन से मरीजों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होगी।

नासिक आईटी कंपनी में धर्मांतरण का काला खेल, आठ महिलाओं समेत नौ कर्मचारियों को जबरन बनाया मुस्लिम

मुंबई,एजेंसी। नासिक स्थित एक आइटी कंपनी में चल रहे यौन शोषण और मतांतरण की कोशिश के मामले में कंपनी के छह टीम लीडर्स, एक एचआर अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले को 'कॉर्पोरेट जिहाद' भी कहा जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है। नासिक की एक आइटी कंपनी में कार्यरत महिला कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि कंपनी के सीनियर कर्मचारी (टीम लीडर्स) पिछले चार साल से उन पर यौन शोषण एवं मतांतरण का दबाव डाल रहे थे। पुलिस सूत्रों का

कहना है कि वहां आठ महिलाओं और एक पुरुष कर्मचारी को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रेरित और मजबूर किया गया। सभी ने आरोप लगाया है कि उन्हें गोमांस खाने और आफिस में नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। उनके अपने धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया गया। यह मामला तब सामने आया, जब कुछ महिला कर्मचारियों के पहनावे में बदलाव देखा गया और उन्होंने रमजान के दौरान रोजा रखना शुरू कर दिया। तब स्वजन की शिकायत के बाद नासिक पुलिस ने इस मामले में सभी पीड़िताओं की ओर से कुल नौ एफआइआर दर्ज कर अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों में छह टीम लीडर्स हैं, जिनके नाम हैं, आसिफ अंसारी, शफी शेख, शाह रुख कुरैशी, रजा मेमन, तौसीफ अत्तार एवं दानिश शेख। कंपनी की एचआर प्रबंधक अश्विनी छनानी को भी गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि कर्मचारियों द्वारा शिकायत करने पर उसने आरोपितों पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित महिलाओं को मुंह बंद रखने के लिए धमकाया। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक के अनुसार, राज्य सरकार के निर्देश पर इस मामले की जांच के लिए पुलिस उपायुक्त संदीप मिटके के नेतृत्व में एक एसआइटी का गठन किया गया है। एसआइटी में अनुभवी पुलिस अधिकारियों के साथ साइबर विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया है, ताकि डिजिटल सुबूतों और वित्तीय लेन-देन की बारीकी से जांच की जा सके। एसआइटी इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह कुछ लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर किया गया अपराध है या कंपनी में कोई संगठित नेटवर्क काम कर रहा था। भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर ने इसे कॉर्पोरेट जिहाद बताते हुए ।

गाजियाबाद में बर्ड फ्लू का खतरा पोल्ट्री फार्म से सैंपल कलेक्ट करने के लिए टीम गठित

गाजियाबाद,एजेंसी। नेपाल में बर्ड फ्लू का मामला सामने आने के बाद जिले में पशुपालन विभाग सतर्क हो गया है। बर्ड फ्लू के खतरे के मद्देनजर सभी पोल्ट्री फार्म संचालकों को सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने, सैनिटाइजेशन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सैंपल कलेक्ट करने के लिए भी टीम गठित की गई है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर एसपी पांडे ने बताया कि जिले में अभी पशुपालन का कोई मामला सामने नही आया है। हालांकि खतरा होने के कारण सभी पशुपालकों को अलर्ट किया गया है। गो आश्रय स्थल पर सफाई करने, मृत पशुओं का समुचित निस्तारण करने, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने के लिए कहा गया है। बीमार पशु को दूसरे पशु से दूर रखने और यदि पशु की मृत्यु हो जाती है तो उसकी सूचना कंट्रोल रूम पर देने के लिए कहा गया है। बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा, ॥5ह1) एक गंभीर वायरल संक्रमण है जो मुख्यतः पक्षियों मुर्गी, बत्तख, कौवे आदि को प्रभावित करता है। मनुष्यों में यह दुर्लभ है लेकिन संक्रमित पक्षियों या उनके मल-मूत्र, लार, पंखों से सीधे संपर्क में आने पर फैल सकता है। वर्ष 2026 में भारत के कुछ राज्यों जैसे केरल, तमिलनाडु व छत्तीसगढ़ आदि में पक्षियों में प्रकोप देखा गया है।

पुणे: गुड टच-बैड टच सिखाने स्कूल गई महिला पुलिसकर्मी ने ही रची साजिश,

प्रिंसिपल से 7 लाख की उगाही का पर्दाफाश

पुणे, एजेंसी। पुणे के एक स्कूल में 'गुड टच बैड टच' सिखाने गई, महिला पुलिसकर्मी ने वहां के प्रिंसिपल के खिलाफ ही साजिश रच दिया। मामला सामने के बाद पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने जांच के आदेश दिए है। इसके साथ ही दो और पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार महिला पुलिसकर्मी सोनाली हिंगे, जो कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी है। उन पर दो अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर 55 साल के स्कूल प्रिंसिपल को कथित तौर पर धमकाने और उनसे पैसे ऐंठने का मामला दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो तीनों पुलिसकर्मियों ने प्रिंसिपल को झूठे क्क्हष्टस्ह एक्ट केस में फंसाने की धमकी दी थी। हिंगे के अलावा, इस मामले में पुलिस सब-इंस्पेक्टर अजीत बाडे और कांस्टेबल सुदाम तायडे का नाम सामने आया है। सूत्रों के अनुसार इन तीनों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्रिंसिपल को निशाना बनाया और क्क्हष्टस्ह एक्ट के तहत एक झूठा केस बनाकर उन्हें गिरफ्तार करने और बदनाम करने की धमकी दी। इसके अलावा, केस को 'रफा-दफा' करने के लिए उन्होंने पैसों की मांग की। इसके बाद कानूनी पचड़ों और अपनी बदनामी के डर से प्रिंसिपल ने उन्हें 7 लाख रुपये भी दे दिए। हालांकि, बाद में पीड़ित को शक हुआ और उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई ।

फरीदाबाद: संत सूरदास की जन्मस्थली सिही में सीवर का कहर, गलियां बनी तालाब

बल्लभगढ़,एजेंसी। संत शिरोमणि कवि सूरदास की जन्म स्थली ऐतिहासिक गांव सिही में सीवर के ओवरफ्लो होने से गलियों में जलभराव हो गया है। यहीं से सूर स्मारक और गांव के पुराने महादेव मंदिर में ग्रामीणों का आना-जाना होता है। घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। इस समस्या के प्रति न तो नगर निगम के अधिकारी गंभीर हैं और न ही स्थानीय पार्षद। यह राजा बल्लू उर्फ बलराम की नगरी है। राजा बलराम ने ही बल्लभगढ़ को बसाया था। गांव से राजनीतिक रूप से पूर्व सांसद धर्मवीर वशिष्ठ, विधायक पंडित जीवन लाल वशिष्ठ, प्रदेश स्तर के चेयरमैन चौधरी प्रीतम सिंह, सुरेंद्र तेवतिया,नगर निगम के पार्षदों में राजकुमार तेवतिया, बिमलेश रजक, बच्चू सिंह तेवतिया, सुरेंद्र तेवतिया, कुलदीप तेवतिया,

कुलवीर तेवतिया रह चुके हैं। गांव में 50 वर्ष से पहले सीवर लाइन डाली गई थी। तब सीवर लाइन छोटी डाली गई थी, क्योंकि आबादी मुश्किल से 10 हजार थी। अब गांव की आबादी 30 हजार से ज्यादा है और सीवर लाइन वही पुरानी है। यही कारण है कि आए दिन सीवर लाइन के मेनहोल ओवरफ्लो होते हैं और गलियों में जलभराव लगातार रहता है। इसके चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। समस्या की तरफ नगर निगम भी ध्यान नहीं दे रहा है। यह गांव फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में पड़ता है। जहां से नगर निकाय मंत्री विपुल गोयल विधायक हैं। नगर निगम सीवर की कभी भी अच्छी तरह से सफाई नहीं करता है। कर्मचारी आते हैं और थोड़ी देर काम करके चलते जाते हैं। कागजों में काम हुआ दिखा दिया जाता है। समस्या का समाधान कराया जाए। गलियों में ज्यादा जलभराव होने से छोटे बच्चों का बहुत अधिक ध्यान रखना पड़ता है। यदि कोई छोटा बच्चा सड़क पर चल गया तो हादसा हो सकता है। सूर स्मारक पर संत सूरदास और गांव के पुराने महादेव मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए गांव की महिलाओं का आना-जाना होता है। उन्हें बहुत परेशानी होती है। गांव की 50 वर्ष पुरानी सीवर लाइन है। एक बार पहले सीवर लाइन डालने की योजना बनाई गई थी। उस योजना पर काम अभी तक नहीं हुआ।

गांव की सीवर लाइन का एक मेनहोल एनएचएआइ ने दबा दिया। गांव की सफाई एक निजी एजेंसी को दी हुई है, जो काम नहीं करती। सीवर लाइन की बकेट मशीन लगाकर सफाई कराई जाएगी, ताकि बार-बार परेशानी न हो। हमने सीवर लाइन को साफ करने के लिए मशीन को लगा दिया है।